महत्वपूर्ण एवं खास

अवैध रेत खनन पर जिला प्रशासन की कार्यवाही लगातार जारी, 4 ट्रैक्टर जब्त

कोरबा (आरएनएस)। जिला प्रशासन द्वारा अवैध रेत खनन पर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में कलेक्टर संजीव झा के निर्देशानुसार खनिज विभाग के उपसंचालक प्रमोद नायक के नेतृत्व में आज खनिज अधिकारियों की टीम ने रेत के अवैध उत्खनन एवं परिवहन पर कार्यवाही की। खनिज टीम ने कार्यवाही करते हुए रेत के अवैध परिवहन में संलग्न चार ट्रैक्टर को जप्त किया। कार्यवाही के दौरान सीतामणी, गेवरा, कपाटमुड़ा और कुसमुंडा से एक एक ट्रैक्टर को जप्त किया गया है। सीतामणी से जप्त ट्रैक्टर को कलेक्ट्रेट परिसर तथा गेवरा, कपाटमुड़ा और कुसमुंडा से जप्त ट्रैक्टरों को हरदीबाजार नाका में अभिरक्षा में रखा गया है। जब्ती के पश्चात खनिज एक्ट के तहत कार्रवाई की जा रही है। उपसंचालक खनिज प्रमोद नायक ने बताया की अवैध खनिज उत्खनन और परिवहन को रोकने के लिए जिला प्रशासन सतर्क और गंभीर है। खनिज के अवैध उत्खनन और परिवहन पर आगे भी कार्यवाही की जायेगी।

महिला से शादी करने का झांसा देकर दुष्कर्म किया, फिर तीन लाख ठगे,2 आरोपी गिरफ्तार

कोरबा (आरएनएस)। महिला को शादी करने का झांसा देकर उससे दुष्कर्म करने और एटीएम हासिल कर 3 लाख रुपए निकालने के मामले में पुलिस ने आरोपी पर केस दर्ज कर लिया। खोजबीन कर उसे गिरफ्तार कर जेल भी भेज दिया गया। बालको नगर के हाउसिंग बोर्ड कालोनी का निवासी शांति लाल साहू ने एक स्थानीय महिला से पहले पहचान बढ़ाया, फिर शादी करने का झांसा देकर कई महीने तक उससे दुष्कर्म किया। इस दौरान उधार ली गई रकम का किश्त चुकाने के बहाने महिला का एटीएम हासिल करके उसके खाते से 3 लाख रुपए निकाल लिए। बाद में शांति लाल ने शादी करने से इनकार कर दिया। पीड़िता ने घटना की रिपोर्ट बालको थाना में लिखाई। पुलिस ने मामले में आरोपी शांति लाल के खिलाफ केस दर्ज कर किय।

लोहा चुराने के दौरान विवाद होने पर नाबालिग ने की हत्या

कोरबा (आरएनएस)। कटघोरा के बरपाली गांव निवासी 20 वर्षीय युवक दिनेश बिंझवार अपने नाबालिग दोस्त के साथ कार्तिक पूर्णिमा के दिन पिकनिक मनाना चाहता था। इसके लिए वे दोनों शनिवार की रात जोगनारा ढाबा के पास बिजली खंभे से एंगल चुराने पहुंचे, जहां रेंज पाना से एंगल नहीं खुलने पर वे दूसरी जगह पहुंचे। पूर्व में देखे गए बिजली टावर के एंगल को दिनेश पहले ही चोरी कर चुका था। इस बात पर उनके बीच विवाद होने लगा। तब दिनेश ने नाबालिग से गाली.गलौच कर उससे मारपीट की। तब गुस्से में आकर नाबालिग ने रेंज पाना से उसपर हमला कर दिया। दिनेश संभल पाता इससे पहले नाबालिग ने उसे जमीन पर गिराकर दोनों हाथ से उसका गला दबा दिया। इससे उसकी मौत हो गई। नाबालिग शव को खींचते हुए टावर के नीचे ले गया और वहां रखकर वापस घर पहुंच गया। उसने घटना के बारे में किसी को नहीं बताया था। दूसरी ओर संदिग्ध परिस्थिति में शव मिलने पर कटघोरा पुलिस ने पोस्टमार्टम कराया तो शार्ट पीएम रिपोर्ट पर गला दबाकर हत्या किया जाना पाया गया। जिसके आधार पर कटघोरा थाना प्रभारी निरीक्षक अश्वनी राठौर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने जांच.पड़ताल करते हुए हत्या के मामले को सुलझा लिया।

क्रेडिट कार्ड से 87 हजार पार

रायपुर (आरएनएस)। अज्ञात व्यक्ति ने एक युवक के क्रेडिट कार्ड से 7 बार में 87 हजार से अधिक रकम पार कर दिया। प्रार्थी की शिकायत पर आरंग पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धोखाधड़ी का अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार वार्ड क्रमांक 12 शांति चौक महामाया पारा निवासी मोहम्मद अरसद 27 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि अज्ञात व्यक्ति ने प्रार्थी के एसबीआई के क्रेडिट कार्ड से 5 अगस्त से 4 सितंबर के मध्य 7 बार में 87286 रुपए आहरण कर लिया।

राज्य के दूर-दराज सहित हर अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं की सुगम उपलब्धता पर जोर : मुख्यमंत्री भूपेश बघेल

❐ मुख्यमंत्री ने नारायणा हॉस्पिटल में घुटना प्रत्यारोपण के लिए पूर्णत: ऑटोमेटिक रोबोट का किया शुभारंभ

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि राज्य के दूर-दराज सहित हर अंचल में स्वास्थ्य सुविधाओं को बेहतर बनाने और इसकी सुगम उपलब्धता के लिए हर संभव पहल की जा रही है। इसके तहत राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना को सुदृढ़ बनाने का कार्य निरंतर जारी हैं। इससे राज्य में स्वास्थ्य सेवाओं का बेहतर लाभ हर नागरिक को मिले और गरीब से गरीब व्यक्ति भी गंभीर से गंभीर बीमारी का इलाज कराने में सक्षम हो सके।

मुख्यमंत्री बघेल ने आज शाम राजधानी के नारायणा हॉस्पिटल में अत्याधुनिक पद्धति से घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए मध्य भारत का सबसे पहला पूर्ण रूप से ऑटोमेटिक रोबोट का शुभारंभ करते हुए यह बात कही। उन्होंने इसके लिए हॉस्पिटल के पूरी टीम को बधाई दी और कहा कि इस सुविधा की यहां शुरूआत होना नारायणा हॉस्पिटल के साथ-साथ हमारे प्रदेश की भी एक अच्छी उपलब्धि है। इस मशीन के आने से मध्य भारत और छत्तीसगढ़ के जरूरतमंद मरीजों की घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए अन्य मेट्रो शहरों के बड़े अस्पतालों पर निर्भरता समाप्त हो जाएगी।

मुख्यमंत्री बघेल ने इस अवसर पर सम्बोधित करते हुए कहा कि बीते पौने चार वर्षों के दौरान राज्य के चिकित्सा सेवा क्षेत्र में सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में मिलकर प्रदेश की स्वास्थ्य अधोसंरचना को बहुत सुदृढ़ बना दिया है। यह हमारे लिए गर्व की बात है कि आज हमारे राज्य में हर तरह की गंभीर बीमारियों की उत्कृष्ट चिकित्सा उपलब्ध है। इसके परिणाम स्वरूप छत्तीसगढ़ में न केवल भारत के अन्य प्रदेशों से बल्कि दुनिया के अनेक देशों के लोग अपनी चिकित्सा के लिए आ रहे है।

मुख्यमंत्री बघेल ने आगे कहा कि अब हर तरह की नई और आधुनिक चिकित्सा तकनीकें हमारे राज्य के अस्पतालों में उपलब्ध हैं। यह हमारी मजबूत स्वास्थ्य अधोसंरचना का परिणाम था कि हमने कोरोना जैसी भीषण संकट का सफलता के साथ सामना किया। हमने न सिर्फ अपने राज्य के लोगों की स्वास्थ्य सुरक्षा सुनिश्चित की बल्कि अन्य राज्यों की भी हम मदद करने में सफल रहे। हमारी सरकार राज्य के स्वास्थ्य अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए निजी क्षेत्र को अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करने के लिए न केवल प्रोत्साहित कर रही है, बल्कि सहयोग भी दे रही है। कार्यक्रम को डॉ. सुनील खेमका-नारायणा हॉस्पिटल ने भी सम्बोधित किया।

सीयूव्हीआईएस नाम के इस रोबोट को साउथ कोरिया में एक कंपनी द्वारा विशेष रूप से घुटना प्रत्यारोपण सर्जरी के लिए निर्मित किया गया है, जो अत्याधुनिक एवं पूर्णत: ऑटोमेटिक है। विदित हो कि इसी कंपनी ने दुनिया में सबसे पहला सर्जिकल रोबोट लांच किया था। इसमें सर्जरी के पहले प्लानिंग के साथ मरीज के पैर के लोवर लिम्ब का, हिप, नी और एंकल को फोकस करते हुए सीटी स्कैन किया जाता है। एकदम फाइन एक्यूरेसी एवं मानन्यूट डिग्री के एंगल का करेक्शन होने की वहज से रोबोटिक सर्जरी के बाद यह नॉर्मल लिम्ब जैसा हो जाता है और इसमें जॉइंट्स की लाइफ एक्सपेक्टेंसी ज्यादा रहती है।

इस अवसर पर छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, महापौर नगर पालिक निगम एजाज ढेबर, पूर्व मंत्री बृजमोहन अग्रवाल तथा मुख्यमंत्री के सलाहकार प्रदीप शर्मा एवं राजेश तिवारी और डॉ. राम खेमका, राजकुमार अग्रवाल, डॉ. प्रीतम अग्रवाल सहित नारायणा हॉस्पिटल के चिकित्सकीय स्टॉफ उपस्थित थे।

किसानों को फायदा पहुंचाने पपीता की खेती के लिए मिलेगी सहायता

❐ खनिज न्यास मद से दी जाएगी मदद, प्रबंधकारिणी समिति की बैठक में मिली मंजूरी

❐ कलेक्टर डॉ.भुरे की अध्यक्षता में जिला खनिज संस्थान न्यास की बैठक

रायपुर (आरएनएस)। जिले में उद्यानिकी फसलों के जरिए किसानों को फायदा पहुंचाने के लिए खनिज न्यास मद से भी मदद दी जाएगी। जिले में इसके लिए लगभग साढ़े सात सौ एकड़ रकबे में हाईब्रिड पपीते की खेती की योजना तैयार की गई है। इस पूरी योजना को खनिज न्यास मद से सहायता दी जाएगी। किसानों का चयन और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को जल्द से जल्द पूरा कर विस्तृत प्रस्ताव प्रस्तुत करने के

निर्देश उद्यान विभाग के अधिकारियों को दिए गए है। कलेक्टर डॉ. सर्वेश्वर भुरे के अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट सभाकक्ष में जिला खनिज संस्थान न्यास की प्रबंधकारिणी समिति की दूसरी बैठक हुई। बैठक में कलेक्टर ने डीएमएफ मद से स्वीकृत विभिन्न कामों की समीक्षा की और अधिकारियों को तेजी से कामों को पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने किसी भी कारण से पूरे न हो सकने वाले कामों को चिन्हांकित कर उन्हें निरस्त करने को भी कहा। डॉ. भुरे ने डीएमएफ मद से पूरे हो चुके सभी कामों के उपयोगिता एवं पूर्णता प्रमाण-पत्र भी जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के निर्देश क्रियान्वयन एजेंसियों को दिये। उन्होंने प्रत्यक्ष रूप से खनन से प्रभावित गांवो के लिए डीएमएफ मद से विकास योजनाएं बनाने के निर्देश दिए। बैठक में नगर निगम आयुक्त मयंक चतुर्वेदी, जिला पंचायत के सी.ई.ओ. आकाश छिकारा, नोडल अधिकारी सुश्री रूचि शर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी भी शामिल हुए।

बैठक में कलेक्टर डॉ. भुरे ने इस वर्ष के लिए स्वीकृत 75 करोड़ रूपये की कार्य योजना पर भी चर्चा की। उन्होंने डीएमएफ के प्रावधानों के अनुसार उच्च प्राथमिकता के क्षेत्र में 60 प्रतिशत और अन्य क्षेत्रों में 40 प्रतिशत राशि ही खर्च करने के सख्त निर्देश अधिकारियों को दिए। बैठक में बताया गया कि इस वर्ष के लिए स्वीकृत की गई कार्य योजना में उच्च प्राथमिकता क्षेत्र में 85 प्रतिशत और अन्य प्राथमिकताओं वाले क्षेत्र में केवल 15 प्रतिशत कार्य स्वीकृत किए गए है। जिले की डीएमएफ कार्य योजना में इस वर्ष खनन प्रभावित प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष क्षेत्र में लगभग बराबर विकास कार्य स्वीकृत हुए है। वर्ष 2022-23 में कुल स्वीकृत कार्य योजना में से केवल साढ़े 14 प्रतिशत राशि ही भौतिक अधोसंरचना सेक्टर में स्वीकृत की गई है। इस वर्ष की कार्य योजना में उच्च प्राथमिकता के क्षेत्रों पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, महिला एवं बालविकास, मछली पालन, उद्यानिकी, पशुपालन, वृद्ध और निशक्त जन कल्याण, कौशल विकास रोजगार, स्वच्छता जैसे सेक्टर में लगभग साढ़े 56 करोड़ रूपये की योजनाएं मंजूर की गई है।

आवागमन के लिए आज से खुलेगा केशकाल घाट

कोंड़ागांव (आरएनएस)। जिले के केशकाल घाट के मरम्मत कार्य को पूरा करने के लिए 04 से 10 नवम्बर तक भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित किया गया था। लेकिन घाट मरम्मत का कार्य कुछ मीटर बाकी रह गया जिसके लिए ठेकेदार ने जिला प्रशासन से एक दिन की अवधि और बढ़ाने का निवेदन किया जिस पर प्रशासन ने एक दिवस की अवधि और बढाया गया। अर्थात 04 से 10 नवम्बर तक भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित आज भी जारी रहा, शनिवार 12 नवंबर से केशकाल घाट आवागमन के लिए पूरी तरह से सबके लिए खोल दिया जायेगा।

केजीएन कन्ट्रक्सन के ठेकेदार यासीन मेमन इसकी पुष्टि करते हुए केशकाल घाट मरम्मत कार्य के विषय मे बताया कि केशकाल घाट मे मरम्मत कार्य पुरी गुणवत्तापूर्ण और शीघ्रातिशीघ्र कराने अपने तमाम मानव व मशीनरी लगाकर लगातार मरम्मत कार्य गतिशील रखने के बावजूद नियत अवधि के अंतिम दिवस तक कुछ मीटर की मरम्मत कार्य शेष रह गया, जिसे पूरा करने के लिए मैंने स्थानीय प्रशासन से एक दिन की अवधि बढाने का आग्रह किया जिसके बाद भारी वाहनो के लिए आवाजाही एक दिन और बंद रखने का निर्णय लिया गया।

निलंबित आईएएस समीर बिश्नोई, सूर्यकांत तिवारी समेत चारों आरोपियों को 12 दिन की न्यायिक अभिरक्षा

रायपुर (आरएनएस)। मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में एक दिन की अतिरिक्त रिमांड खत्म होने के बाद निलंबित आईएएस समीर बिश्नोई, सूर्यकांत तिवारी समेत चारों आरोपियों को एडीजे अजय सिंह राजपूत की कोर्ट में पेश किया गया जहां सुनवाई के बाद चारों को 12 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

कोर्ट में पेश किए जाने से पहले आरोपी सूर्यकांत तिवारी ने मीडिया को दिए बयान में कहा कि मेरे खिलाफ राजनैतिक साजिश की गई है पर मुझे न्यायपालिका पर पूर्ण भरोसा है। सच जल्द सामने आ जाएगा। सूर्यकांत तिवारी ने यह भी कहा कि मेरी जान को इनसे खतरा है।

ज्ञात हो कि, सूर्यकांत तिवारी सहित तीनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड की अवधि खत्म होने के बाद गुरुवार को अदालत में पेश किया गया था। जहां बचाव पक्ष के वकीलों की दलील सुनने के बाद एक दिन की न्यायिक रिमांड पर आरोपियों को भेजने के साथ ईडी से मामले में एक दिन में जवाब पेश करने को कहा था। सुनवाई के बाद कोर्ट ने सभी को 12 दिन की न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।

सूरजपुर से कोरबा पहुंचा 10 हाथियों का दल, संख्या हुई 54

कोरबा (आरएनएस)। जिले के कटघोरा वनमंडल के हाथी प्रभावित केंदई रेंज में 10 हाथियों का एक और दल पड़ोसी सूरजपुर जिले से पहुंच गया है। इसे मिलाकर यहां सक्रिय हाथियों की संख्या बढ़कर 54 हो गई है। हाथियों ने यहां पहुंचते ही रेंज के बोटोपाल गांव में 5 किसानों की फसल रौंद दी जबकि कोरबी सर्किल के लालपुर में मौजूद 44 हाथियों के दल ने 7 से अधिक किसानों की धान की फसल को नुकसान पहुंचाया है। 10 की संख्या में हाथियों के एक और दल पहुंचने से वन विभाग के साथ. साथ ग्रामीणों की परेशानी बढ़ गई है। हालांकि वन अमला हाथियों को

लेकर सतर्क है और दोनों ही दलों पर निगरानी रखे हुए है।

वन अमले की कोशिश है कि हाथियों का दल जंगल ही जंगल बना रहे तथा रिहायशी क्षेत्रों में पहुंचकर नुकसानी न करने पाए। हाथियों के एक और दल पहुंचने की बोटोपाल व आसपास के गांवों में सूचना देते हुए ग्रामीणों को सतर्क कर दिया गया है। मुनादी कराकर ग्रामीणों से कहा जा रहा है कि वे हाथियों की मौजूदगी वाले जंगल से दूरी बनाए रखें। जरूरी होने पर ही अपने घरों व गांव से बाहर निकले। बड़ी संख्या में हाथियों की मौजूदगी के कारण केंदई रेंज का जंगल चिंघाड़ से गूंज रहा है। इधर कोरबा वनमंडल के कुदमुरा रेंज में विभिन्न स्थानों पर उत्पात मचाकर ग्रामीणों के नाक में दम कर देने वाला दंतैल हाथी आगे बढ़कर धर्मजयगढ़ का रूख कर लिया है। हाथी के धर्मजयगढ़ जाने से वन अमले ने राहत की सांस ली।

खल्लारी मंदिर पहाड़ी से सेल्फी लेते नहीं गिरी थी महिला, पति ने दिया था धक्का

❐ चित्ररेखा की मौत के प्रकरण में पुलिस ने किया खुलासा

महासमुंद (आरएनएस)। बीते सोमवार को महासमुंद के खल्लारी मंदिर पहाड़ी से एक महिला के गिर कर मौत हो जाने के मामले मे पुलिस ने उसके पति को ही हत्या करने की नीयत से धक्का देने के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपी पति ने चरित्र संदेह के चलते पत्नी को सेल्फी लेने के दौरान पहाड़ी से धक्का दे दिया था और अपना अपराध छुपाने के लिए थाने में पत्नी के सेल्फी लेते हुए गिर जाने की बात बताई थी।

बता दें कि कुम्हार पारा महासमुन्द के रहने वाले विरेन्द्र चक्रधारी पिता विष्णु चक्रधारी उम्र 30 वर्ष ने थाना खल्लारी में रिर्पोट दर्ज कराया कि 7 नवंबर को करीबन 11 बजे इसकी बहन चित्ररेखा अपने पति सोनूराम चक्रधारी एवं भांजी के साथ मोटर सायकल से दर्शन एवं घूमने के लिए खल्लारी मंदिर गये थे इसी दौराना दोपहर 3 बजे सोनूराम चक्रधारी ने उसे मोबाइल फोन कर बताया कि चित्ररेखा चक्रधारी खल्लारी मंदिर के पहाड़ी से गिर गई हैं एवं नही मिल रही है। जिसक बाद विरेन्द्र अपने साथी रतन चक्रधारी के साथ खल्लारी मंदिर पहाड़ी जाकर देखा कि पहाडी के चटटान के पास खाई में इसकी बहन चित्ररेखा मृत अवस्था में पड़ी हुई थी। जिसके बाद विरेंद्र ने इसकी रिपोर्ट थाना खल्लारी दर्ज कराई जिसपर पुलिस ने मर्ग पंजीबद्ध कर जांच में लिया था। पुलिस की जांच टीम के द्वारा घटना स्थल की बारीकी से निरीक्षण किया गया घटना स्थल एवं शव निरीक्षण करने पर घटना संदेहास्पद प्रतीत होने पर मृतिका के मौत के संबंध में मृतिका के पति व मृतिका के परिजनों से छोटी छोटी जानकारी एकत्र कर जॉच करना प्रारंभ किया गया साथ ही साथ जिला अस्पताल से मृतिका के मृत्यु का संक्षिप्त पोस्ट मार्टम रिपोर्ट प्राप्त किया गया जिसमें डाक्टर के द्वारा मृतिका के मौत गिरने से हड्डी टुटने से मौत होना बताया गया। जिसके बाद पुलिस द्वारा 10 नवंबर को अज्ञात आरोपियों के विरूध्द धारा 302 भादवि के तहत अपराध पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

एवं फिर से जांच शुरू की गई। सायबर सेल की टीम व थाना खल्लारी पुलिस की टीम घटना स्थल पहुंचकर निरीक्षण कर मृतक के बारे में अलग-अलग टीम गठित कर छोटी से छोटी जानकारी एकत्रित की गई। जॉच के दौरान उक्त घटना के संबंध में मृतिका के पति एवं उसकी भांजी व एक अन्य व्यक्ति से पृथक पृथक पूछताछ करने पर सभी के बयान में विभिन्नता पाई गई।

बकायेदारों पर की कार्यवाई, 185 बकायेदारों ने किया 27 लाख 48 हजार रुपए का भुगतान

❐ बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 391 उपभोक्ताओं की कटी बिजली

दुर्ग (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र में बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले बकायेदार उपभोक्ताओं के लिए विषेश बकाया वसूली अभियान षुरु कर दिया है। इसी कड़ी में दुर्ग विद्युत क्षेत्र के अंतर्गत विभागीय संभाग बेमेतरा एवं साजा में एक ही दिन में 185 बकायेदार उपभोक्ताओं से 27 लाख 48 हजार रुपए की वसूली की गई। समझाइष के बाद भी बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 391 बकायेदारों की बिजली लाईन काट दी गई।

उल्लेखनीय है कि दिनांक 10 नवंबर 2022 को विभागीय संभाग बेमेतरा एवं साजा में विद्युत विच्छेदन एवं बकाया वसूली के लिए 22 सहायक अभियंताओं की टीम गठित कर विषेश अभियान चलाया गया। इस अभियान में संबंधित क्षेत्र के कनिश्ठ अभियंता एवं लाइन स्टाफ भी षामिल हुए। इस अभियान के दौरान बेमेतरा संभाग के अंतर्गत नवागढ़ सबडिविजन के 108 बकायेदार उपभोक्ताओं की बिजली लाइन काटी गई एवं 27 बकायेदारों से 03 लाख 41 हजार रुपए की वसूली की गई। इसी तरह दाढ़ी सबडिविजन के 40 बकायेदारों से 04 लाख 99 हजार रुपए की वसूली की गई एवं बिजली बिल का भुगतान नहीं करने वाले 71 बकायेदारों की लाइन काटी गई। बेमेतरा सबडिविजन के अंतर्गत 32 उपभोक्ताओं की लाइन काटी गई एवं 32 बकायेदारों से 06 लाख 06 हजार रुपए की वसूली की गई। विभागीय संभाग साजा के अतंर्गत सबडिविजन देवकर के 19 उपभोक्ताओं की लाइन काटी गई एवं 19 उपभोक्ताओं से 04 लाख 02 हजार रुपए की वसूली की गई। साजा सबडिविजन के 25 बकायेदारों से 03 लाख 92 हजार रुपए की वसूली की गई एवं 19 बकायेदार उपभोक्ताओं की लाइन काटी गई। इसी तरह बेरला सबडिविजन के अंतर्गत 142 बकायेदारों की लाइन काटी गई एवं 42 बकायेदारों से 04 लाख 54 हजार रुपए की वसूली की गई।

अधीक्षण अभियंता श्री ए.के. गौराहा ने बताया कि विद्युत कंपनी द्वारा बकायेदार उपभोक्ताओं पर की जा रही कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। उन्होंने बताया कि वर्तमान में गैरघरेलू एवं औद्योगिक कनेक्षनों के बकायेदारों के साथ ही घरेलू श्रेणी के बकायेदारों पर कनेक्षन काटने एवं बकाया वसूली की कार्रवाई की जा रही है। श्री गौराहा ने बताया कि बिजली बिल देयको के भुगतान में विलंब होने पर उपभोक्ताओं को बार-बार ध्यान आकृश्ट कराया जा रहा है, जिससे वे देयक समय पर जमा कर देवें। मैदानी अधिकारी एवं उनकी टीम बकायेदार उपभोक्ताओं के पास स्वयं पहुंचकर उनसे बिजली बिल जमा करने का अनुरोध कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूषन कंपनी लिमिटेड, दुर्ग क्षेत्र के मुख्य अभियंता एम.जामुलकर ने उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा कि समय पर बिजली बिल का भुगतान करें एवं अप्रिय विद्युत विच्छेदन की कार्यवाही से बचें। उन्होंने कहा कि दो महिने से अधिक बकाया राषि होने पर उपभोक्ताओं को षासन द्वारा हाफ बिजली बिल योजना के तहत बिजली बिल देयक में मिलने वाले छूट का लाभ नहीं मिल पाता, जिससे उपभोक्ताओं को नुकसान होता है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुo सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी तकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक उन्नयन अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में जानकारी किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् उच्च पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित विशेष कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU